★ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आर. सी. अग्रवाल नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल से 'रेल दर्पण' को मिले राष्ट्रीय पुरस्कार की शील्ड ग्रहण करते हुए। दूसरे चित्र में महाप्रबंधक एवं पुरस्कार शील्ड के साथ प्रधान सम्पादक श्री शरत चंद्रायन एवं सम्पादकीय टीम के अन्य सदस्य।

पश्चिम रेलवे की लोकप्रिय 'रेल दर्पण' को मिला सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका का राष्ट्रीय पुरस्कार

महामहिम राष्ट्रपति महोदया के हाथों पाया सर्वोच्च सम्मान

राष्ट्र के बहुमुखी विकास के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव बनाये रखने में अहम भूमिका निभाकर विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी रहने वाली पश्चिम रेलवे ने अब रचनात्मक श्रेष्ठता के क्षेत्र में भी अपनी कामयाबी का परचम लहराया है तथा अपनी लोकप्रिय गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' की उच्च स्तरीय मुद्रण गुणवत्ता, पठनीय सामग्री, आकर्षक साज-सज्जा और सार्थक कलेवर के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित वर्ष 2010-11 की अखिल भारतीय हिंदी गृह पत्रिका प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका के रूप में प्रथम पुरस्कार हासिल कर सृजनात्मक उत्कृष्टता का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह सर्वोच्च सम्मान 14 सितम्बर, 2011 को राजभाषा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल के करकमलों से पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आर. सी. अग्रवाल ने ग्रहण किया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका की शील्ड और प्रशस्ति पत्र शामिल है।

'रेल दर्पण' का चयन वर्ष 2010-11 के दौरान राजभाषा हिंदी में प्रकाशित गृह पत्रिकाओं की राष्ट्रपति पुरस्कार योजना के अंतर्गत 'ख' क्षेत्र के प्रथम पुरस्कार के लिए किया गया। समारोह की अध्यक्षता भारत सरकार के माननीय गृह मंत्री श्री पी. चिदम्बरम ने की। 'रेल दर्पण' के प्रधान सम्पादक एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शरत चंद्रायन, वरिष्ठ कार्यकारी सम्पादक श्री गजानन महतपुरकर, सह सम्पादक श्री सुनीलसिंह एवं छायाचित्रकार श्री प्रभात मोहिते भी इस अवसर पर उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आर. सी. अग्रवाल ने पश्चिम रेलवे की स्थापना की हीरक जयंती के अवसर पर हासिल की गई इस असाधारण उपलब्धि पर 'रेल दर्पण' के प्रधान सम्पादक मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शरत चंद्रायन और उनकी समूची सम्पादकीय टीम को हार्दिक बधाई दी है। अपनी उत्कृष्ट सम्पादन शैली, सुरुचिपूर्ण एवं पठनीय सामग्री, आकर्षक साज-सज्जा, दिग्गज कवियों और शायरों की खास काव्य रचनाओं, सुप्रसिद्ध फिल्मी हस्तियों के साक्षात्कार तथा श्रेष्ठ मुद्रण गुणवत्ता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता पा चुकी पश्चिम रेलवे की अर्द्धवार्षिक गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' के वर्ष 2010-11 के दौरान प्रकाशित 'प्रौद्योगिकी विशेषांक' और 'हीरक जयंती विशेषांक' की सृजनात्मक उत्कृष्टता के लिए यह प्रथम पुरस्कार घोषित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि 'रेल दर्पण' पत्रिका व्यावसायिक संचार के क्षेत्र में अपनी रचनात्मक श्रेष्ठता के लिए पिछले 11 वर्षों के दौरान 'एसोसिएशन ऑफ बिज़नेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया' द्वारा प्रदत्त अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों सहित 25 से अधिक राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुकी है और अब सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका के इस राष्ट्रपति पुरस्कार ने इस श्रृंखला में एक नया शानदार अध्याय जोड़ दिया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे की पूर्वज बॉम्बे, बरोडा एंड सेंट्रल इंडिया रेलवे के ज़माने से ही मैगज़ीन का प्रकाशन विविध रूपों में होता आया है और इसके नवीनतम स्वरूप के तौर पर 'रेल दर्पण' का प्रकाशन वर्ष 2000 से शुरू हुआ।

★ माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री श्री पी. चिदम्बरम 14 सितम्बर, 2011 को गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए। दूसरे चित्र में सुप्रसिद्ध कवि श्री अशोक चक्रधर के साथ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आर. सी. अग्रवाल एवं प्रधान सम्पादक श्री शरत चंद्रायन। तीसरे चित्र में मशहूर कवि श्री सुरेन्द्र शर्मा को 'रेल दर्पण' के विजयी अंक की प्रति भेंट करते हुए 'रेल दर्पण' के वरिष्ठ कार्यकारी सम्पादक श्री गजानन महतपुरकर दिखाई दे रहे हैं।